

# Hechan Usia The Gazette of India

## असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—इण्ड 3—उप-इण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (li)

### श्रापकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

ਜ. 322] No. 322] नई विल्ली, शुक्रवार, मर्द 31, 1991/ज्येष्ठ 10, 1913 NEW DELHI, FRIDAY, MAY 31, 1991/JYAISTHA 10, 1913

इ.स. भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंद्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

**मधिस्**चनाएं

नई विल्ली, 31 मई, 1991

का.मा. 363(म्र):—केन्द्रीय सरकार, कम्पनी (संशोधन) म्रिधिनियम, 1988 (1988 का 31) की धारा 1 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तारीख 31 मई, 1991 को उस तारीख के रूप में नियत करती हैं। जिसको उक्त म्रिधिनियम के वे उपबन्ध जो इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में विनिर्दिष्ट हैं, प्रवृत्त होंगे।

#### भ्रनुसूची

धाराएं 4 [खण्ड (ग) को छोड़ कर] 5, 8, 16, 17(ख), 21,31 (ग), 36,37,38,39,40,41,42,43,44,57(ख), 59, 60, 61, 62, 64, 65, 67 (उसके सिवाय जहां सक यह फीस विहित करने से संबंधित हैं) श्रौर धारा 68।

[एफ. सं.-3/7/87-सी.एल.-5]

#### MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

#### **NOTIFICATIONS**

New Delhi, the 31st May, 1991

S.O. 363(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 1 of the Companies (Amendment) Act, 1988 (31 of 1988), the Central Government hereby appoints the 31st day of May, 1991 as the date on which the provisions of the said Act as are specified in the schedule hereto shall come into force.

#### **SCHEDULE**

Sections 4 [except clause (c)], 5, 8, 16, 17(b), 21, 31(c), 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 57(b), 59, 60, 61, 62, 64, 65, 67 (except insofar as it relates to prescribing of fees) and 68.

[F. No. 3]7[87-CL.V]

का.श्रा. 364(श्र):—केन्द्रीय सरकार, कम्पनी श्रिधिनयम, 1956(1956 का 1) की धारा 10ड़ की उपधारा (1)(2) और (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, श्रीर इस विषय पर जारी की गई पूर्व श्रिधमूचना को श्रिधकांत करते हुए उन बातों के सिवाय जिन्हें ऐसे श्रिधकमण के पूर्व किया गया है या किये जाने में लोप किया गया है, कम्पनी विधि प्रशासन आई का गठन करतो है जिसमें तारीख 31 मई, 1991 के पूर्वन्ह्न से निम्निश्वित व्यक्ति उसके सदस्य होंगे, अर्थात्:—

- श्री एस.पो. उरासनी
- 2 त्रीए. एम. चक्रमार्ध
- श्री सी.श्रार, मेंट्रा
- 4. श्री के के धर
- श्री एम, बालामुबामनियन
- 6. श्री ए. ग्रार. रामनाथन
- 2. श्री एस. पी. उपासनी बोर्ड के अध्यक्ष होंगे।

**ाएफ .सं. 3/7/87-सी .एल .-5**]

- S.O. 364(E).—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1), (2) and (3) of section 10E of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), and in supersession of the earlier notification issued on the subject, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby constitutes a Board of Company Law Administration consisting of the following persons as its members with effect from the forenoon of the 31st day of May, 1991, namely:—
  - 1. Shri S. P. Upasani
  - 2. Shri A. M. Chakraborti
  - 3. Shri C. R. Mehta
  - 4. Shri K. K. Dhar
  - 5. Shri S. Balasubramanian.
  - 6. Shri A. R. Ramanathan
- 2. Shri S. P. Upasani shall be the Chairman of the Board.

JF. No. 3|7|87-CL,V1

का. मा. 365(म्र):—केन्द्रीय सरकार, एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार श्रिधिनयम, 1969 (1969 का 54) की धारा 2क द्वारा प्रदत्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भूतपूर्व विधि, त्याय और कम्पनी कार्य महालय (कम्पनी कार्य विभाग) की प्रधिस्चना सं. का. श्रा. 583(म्र) तारीख 1 म्रगस्त, 1984 को उन बातों के सिवाय ग्रिधिकांत करते हुए जिन्हें ऐसे ग्रिधिकमण के पूर्व किया गया है या किये जाने से लोप किया गया है।

उक्त धारा 2क में निर्दिब्ट प्रकृति के सभी प्रश्नों का विनिश्चय करने के लिये कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 10ग्र के ग्रधीन गठित कम्पनी विधि प्रशासन बोर्ड को प्राधिकृत करनी है।

[फा. सं.-3/7/87-सी.एल.-5]

S.O. 365(E).—In exercise of the powers conferred by section 2A of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), and in supersession of the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Law, Justice and Company Affairs, (Department of Company Affairs) No. S. O. 583(E) dated the 1st August, 1984, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby authorises the Board of Company Law Administration constituted under section 10E of the Companies 1956 (1 of 1956) to decided all questions of the nature referred to in the said section 2A.

[F. No. 3]7[87-CL.V]

का. ग्रा. 366(ग्र):—केन्द्रीय सरकार, कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 637 की उपधारा (1) के खण्ड (ख्र) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के कम्पनी कार्य विभाग की ग्रिधिसूचना सं. सा.का. नि. 507(ग्र) तारीख 24 जून, 1985 में निम्निलिखित संशोधन करती है।

2. उक्त श्रधिसूचना के पैरा 2 का लोग किया जायेगा।

[फा .सं .-3/ 7/ 87- सी . एल .-4]

नोट :---मूल ग्रधिसूचना का.नि.ग्रा. 507(ग्र) तारीख 24 जून, 1985 का बाद में निम्निजिखिन द्वारा संशोधन किया गया।

का.नि.आ. स. 481(अ) तर्गरख 22 अप्रैल 198५।

- S.O. 366(E).—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 637 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Department of Company Affairs No. G.S.R. 507(E) dated the 24th June, 1985.
- 2. In the said notification paragraph 2 shall be omitted.

[F. No. 3|7|87-CL,V]

NOTE: Principal Notification No. GSR 507(E) dated 24th June, 1985 was subsequently amended by—

GSR No. 481(E) dated 22nd April, 1988.

का. ग्रा. 367(ग्र):—केन्द्रीय सरकार, कम्पनी ग्रि**धिनियम,** 1956 (1956 का 1) की धारा 25 की उपधारा (1) (2) (3),(5), ग्रीर (8) तथा धारा 609 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए कम्पनी

विनियम, 1956 का भ्रौर संसोधन करने के लिये निम्न-लिखित विनियम बनाती है, भ्रथीतु :---

- 1.(1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम कंपनी (संसोधन) विनियम, 1991 है।
  - (2) ये राजपत में प्रकासन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
  - 2. कम्पनी विनियम, 1956 में---
  - (क) ''कम्पनी विधि बोर्ड का प्रादेशिक निदेशक'' शब्दों के स्थान पर जहां जहां वे स्राते हैं, ''प्रादेशिक निदेशक'' शब्द रखे जायोंगे ;
- (ख) विनियम 15 के स्थान पर निम्नलिखित विनियम रखा जायेगा, प्रथीत् :---

"15—रजिस्ट्रार के कार्यालय में प्रसामान्य कार्य के ऐसे घंटों का पालन किया जायेगा जो केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदिन किये जावें और वह शनिवार, रिवधार और अन्य सार्वजनिक अवकाश (गों) को छोड़कर पूर्वाह्न 10.30 बजे से अपराह्न 3.30 बजे तक सभी विन आम जनता के साथ कारबार संचालन के लिये खुला रहेगा।"

[फा.सं. 3/7/87-सी.एल.-5]

टिप्पणी:---

मूल ग्रिधिसूचना का . नि . सं . 432-ख, तारीख 18-2-1956 द्वारा प्रकाशित को गई थो ग्रीर तस्परवात् उसका निम्नलिखित द्वारा संशोधन किया गया है :—

- 1. सा.का.नि. 188 तारीख 9-1-1958
- 2. सा.का.नि. 399 तारीख 24-3-1962
- सा.का.नि. 1850 तारोख 1-12-1966
- स[.का.नि. 1445 तारीब 16-9-1967
- 5. सा.का नि. 668 तारीख 10-6-1973
- 6. मा. हा.सि. 523 स्टाई 11-7-1989
- S.O. 367(E).—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1), (2), (3), (5) and (8) of section 25 and sub-section (2) of section 609 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following regulations further to amend the Companies Regulations, 1956, namely:—
- 1. (1) These regulations may be called the Companies (Amendment) Regulations, 1991.

- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
  - 2. In the Companies Regulations, 1956,-
    - (a) for the words "Regional Director of the Company Law Board" wherever they occur the words "Regional Director" shall be substituted;
    - (b) for regulation 15, the following regulation shall be substituted, namely:—
      - "15. The office of the Registrar shall observe such normal working hours as may be approved by the Central Govtrnment and shall be open for the transaction of business with the public on all days except Saturday, Sunday and other public holiday(s) between 10.30 a.m. and 3.30 p.m.".

[F. No. 3|7|87-CL.V]

NOTE: The principal Notification was published vide S.R.O. No. 432B dated 18th February, 1956 and subsequently amended by 1. G.S.R. 188 dated 9-1-1958. 2. GSR 399 dated 24-3-1962; 3. G.S.R. 1850 dated 1-12-1966; 4. G.S.R. 1445 dated 16-9-67; 5. GSR 668 dated 10-6-1973 and 6. G.S.R. 523 dated 11-7-1989.

का. आ. 368(म्र) :—केन्द्रीय सरकार, कम्पनी म्रिधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 637 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रवत्त मित्तयों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के कम्पनी कार्य विभाग की ग्रिधिसूचना सं. सा.का. नि. 627 तारीख 15 मई, 1978 में निम्नलिखित संशोधन करती है ।

2. उक्त अधिसूचना के पैरा 2 का लोग किया जायेगा।

[फा.मं. 3/7/87-सी.एल.**-**5]

सुधा पिल्ले, संयुक्त सिंघव

- S.O. 368(E).—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 637 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Department of Company Affairs No. G.S.R. 627 dated the 15th May, 1978.
- 2. In the said notification, paragraph 2 shall be omitted.

[F. No. 3|7|87-CL.V] SUDHA PILLAI, Jt. Secy.